>

Title: Need to protect the interest of power-loom and handloom industries in Uttar Pradesh- Laid.

श्री धर्म राज सिंह पटेल (फूलपुर): उपाध्यक्ष महोदय, भारत वर्ा में कृाि के बाद आबादी का सबसे बड़ा वर्ग कपड़ा उद्योग से जुड़ा हुआ है। पावरलूम व हैंडलूम उद्योग में मानव शक्ति का सृजन प्रचुर मात्रा में है। गरीब मजदूर किसान व बुनकर की रोटी-रोजी पावरलूम उद्योग से जुड़ी हुई है। सरकारी संरक्षण न प्राप्त होने के कारण पिछले कुछ वर्ाो से उत्तर प्रदेश में गन्ना मिलों के बाद सबसे ज्यादा चल रही कताई मिलें बंद की चपेट में आ गयी हैं। प्रतिस्पर्धा के इस युग में प्रदेश का कपड़ा उद्योग कहीं टिक नहीं पा रहा है। अच्छे किस्म का यार्न व तकनीक उपलब्ध न होने तथा टैक्सटाईल पोलीटैक्नीक या तकनीकी इंस्टीटयूट न होने के कारण यहां का बुनकर काफी पीछे हो गया है। प्रदेश में पावर के संकट ने उनकी समस्या को और बढ़ा दिया है। मेरठ, कानपुर, मऊआइमा, टांडा, मऊनाथ मंझन, आजमगढ़, बनारस, गोरखपुर, खलीलाबाद के जैसे बुनकर बेरोजगारी की वजह से देश के अन्य भाग जैसे सूरत, अहमदाबाद, भिवाड़ी, मालेगांव, अमृतसर, लुधियाना में जाकर अपने हुनर का लोहा मनवा रहे हैं। समय रहते यदि प्रदेश में महाराट्र, गुजरात व पंजाब की तरह यहां के पावरलूम उद्योग की पावर व कच्चा माल तथा तैयार माल की निकासी हेतु पर्याप्त साधन व सुविधा को न विकसित किया गया तो यहां पर कपड़ा उद्योग बुरी तरह से चौपट हो जायेंगे।

मैं सरकार से मांग करता हूं कि उत्तर प्रदेश में पावरलूम व हैंडलूम उद्योग को बचाने के लिए शीघ्र कार्यवाही की जाये।